Unit-3rd

Q4. शिक्षक के व्यावसायिक नीतिशास्त्र के ज्ञान तथा अभ्यास पर प्रकाश डालें

अथवा

शिक्षक के व्यावसायिक नीतिशास्त्र का वर्णन करें

Q4. Throw the light on the knowledge and practices of professional ethics for the teacher.

Ans:- Q4. I व्यवसाय की परिभाषा :-
(Definition of profession) :-

व्यवसाय की परिभाषा देते हुए कॉर्र सोर्जी (Carr Saunders) ने लिखा है कि : "व्यवसाय से अभिप्राय प्रशिक्षण या विशेषीकरण पर निर्भर उस पर व्यापार से है जिसका उद्देश्य दूसरों को सेवा प्रदान करना और निश्चित फीस या वेतन पर दूसरों को सलाह देना है।"
(A profession may perhaps be defined as an occupation based upon specialised training, the purpose of which is to supply skilled service or advice to other for a definite fee or salary.)

II शिक्षक के व्यावसायिक नीतिशास्त्र का वर्णन
(Describing The professional ethics for the Teacher)

[illegible] शिक्षकों [illegible] के लिए व्यवहार संहिता [illegible] है। यह अध्यापक में व्यावसायिक नीतिशास्त्र से सम्बन्धित है।

III शिक्षक के व्यावसायिक नीतिशास्त्र के निर्माण के लिए सुझाव :-
(A few suggestions for preparing Professional Ethics for the Teacher :)

(1) शिक्षक को कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे शिक्षण व्यवसाय कलंकित हो।

(2) [illegible] स्थापित किए [illegible] व्यवहार संहिताओं का पालन करना चाहिए।

(3) [illegible]





के लिए [illegible] द्वारा स्वीकार [illegible] और कानून से संबंधित है। एक शिक्षक [illegible] विद्यार्थियों [illegible] और उसके पास सीखने आए हैं, जो उसको [illegible] में है; उन्हें वह सिखाता है, एक श्रेष्ठ नागरिक व सामाजिक जीव बनाता है; का जीवित आदर्श होता है। उसे अपने व्यवहार में कुछ नैतिक गुण लेकर आने चाहिए तभी उसे मनुष्य रूपी पौधा का माली बनाया जा सकेगा।

शिक्षण एक व्यवसाय [illegible] तथा [illegible] विश्व में कई शिक्षक संगठन बनाये गए हैं, उन्होंने अध्यापक के लिए एक विशेष प्रकार की व्यवहार-संहिता [illegible] रचना की है। यह अध्यापक में व्यावसायिक नीतिशास्त्र से सम्बन्धित है।

IV शिक्षक के व्यावसायिक नीतिशास्त्र के निर्माण के लिए सुझाव :-
(A few suggestions for preparing Professional Ethics for the Teacher :)

(1) शिक्षक को कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे शिक्षण व्यवसाय कलंकित हो।

(2) [illegible] स्थापित किए [illegible] व्यवहार संहिताओं का पालन करना चाहिए।

(3) [illegible]

(4) छात्रों को अध्यापकों का 11 NOV 2021 करना चाहिए तथा उनके दोषों छिपाना नहीं करना चाहिए।

(5) छात्रों किसी भी विद्यार्थी के साथ पक्षपात नहीं करनी चाहिए।

(6) छात्रों अपने व्यक्तिगत जीवन की कुशिकलों के 11 NOV 2021 भी शिक्षण के प्रति चेतन व फिक्रमंद होना चाहिए।

नैतिकशास्त्र (Nitigyan) के अनुसार भारतीय समाज में अध्यापकों के लिए व्यवहार-संहिता तथा व्यवसायिक नीतिशास्त्र इस प्रकार हैं :-

(1) कोई भी अध्यापक इस तरह नहीं कोलेगा जिससे व्यवसाय पर आँच आए।

(2) कोई भी शिक्षक अपने व्यक्तिगत और व्यवसायिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विद्यार्थियों द्वारा सहयोग की अपेक्षा या स्वीकार नहीं करेगा।

(3) कोई भी शिक्षक अपने शिष्यों के प्रति स्थापित व्यवहार को नहीं तोड़ेगा।

(4) कोई भी अध्यापक आपने विद्यार्थियों से सम्बन्धी मामलों का परिचय नहीं करेगा।

Scanned with CamScanner



(8) प्रत्येक अध्यापक अपने व्यवसाय के एकीकरण और सम्मान 11 NOV 2021 सुरक्षित रखेगा।

(9) प्रत्येक अध्यापक अपने अधिकारों 11 NOV 2021 पाने के लिए केवल सभ्य व कानूनी मार्गों का ही प्रयोग करेगा।

(9) प्रत्येक अध्यापक को अपनी संस्कृति द्वारा उस पर स्थापित शिक्षकों को और अधिक दृढ़ करने के लिए प्रयत्नरत रहना होगा।

(10) प्रत्येक अध्यापक 11 NOV 2021 अपनी क्षमतानुसार जन-सेवा करनी होगी।

(11) प्रत्येक अध्यापक को गैर-शिक्षा गतिविधियों और राजनैतिक आन्दोलनों में भाग लेने से बचना होगा।

इस प्रकार स्कूल अध्यापक एक अद्भुत शक्ति है। अनुशासन एवं विश्वास के साथ वह अपने 11 NOV 2021 की किसी अन्य व्यवसाय से आदि कोई सेवा कर सकते हैं और उन्हें (illegible) पर अग्रसर कर सकते हैं।

(T.A. End)